	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर **Indian Institute of Technology Bhubaneswar**

Press Release

आईआईटी भुवनेश्वर और इसरो ने सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भुवनेश्वर, 24 जनवरी 2025: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर के माध्यम से सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए 17 अक्टूबर 2025 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के किनारे भौतिक और जैव-भू-रासायनिक समुद्री प्रक्रियाओं और तटरेखा परिवर्तन की गतिशीलता का आकलन करने पर केंद्रित है। पायलट चरण में भविष्य में विस्तारित एमओयू के तहत अन्य भारतीय तटीय क्षेत्रों में संभावित विस्तार के साथ, सुंदरबन डेल्टा से उत्तरी आंध्र प्रदेश तक निकटवर्ती गतिशीलता का मानचित्रण और विश्लेषण शामिल होगा।

समझौता ज्ञापन पर इसरो के एनआरएससी के क्षेत्रीय केंद्रों के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. एस.के. श्रीवास्तव और आईआईटी भुवनेश्वर के डीन-प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श, प्रोफेसर पी. दिनाकर ने हस्ताक्षर किए। समारोह में प्रोफेसर सी.एन. भेंडे, डीन-पोस्ट ग्रेजुएट और रिसर्च प्रोग्राम्स, डॉ. आर.के. सिंह, स्कूल-स्कूल ऑफ अर्थ ओसियन एंड क्लाइमेट साइंसेज के प्रमुख, आईआईटी भुवनेश्वर के स्कूल ऑफ अर्थ, ओसियन एंड क्लाइमेट साइंसेज के सहयोगियों के साथ-साथ इसरो के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।